# ९. अनमोल वाणी

– *संत कबीर*

– *भक्त सूरदास*

जैसा भोजन खाइए, तैसा ही मन होय ।
जैसा पानी पीजिये, तैसी बानी होय ।

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय ।
औरन को शीतल करै, आपौ शीतल होय ।

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय,
जो दिल खोजा आपना, मुझसा बुरा न कोय ।

(संत कबीर)

× ×  × ×

मैया, कबहिं बढ़ैगी चोटी ?
किती बार मोहिं दूध पियत भई, यह अजहूँ है छोटी ।।
तू जो कहति बल की बेनी ज्यौं, ह्वै है लाँबी-मोटी ।
काँचौ दूध पियावत पचि-पचि देत न माखन-रोटी ।
सूर स्याम चिरजीवौ दोउ भैया, हरि-हलधर की जोटी ।।

(भक्त सूरदास)

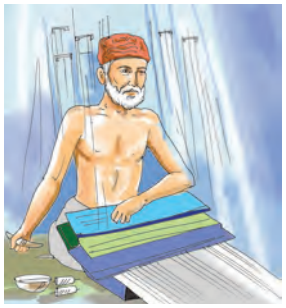

## परिचय

**संत कबीर**

**जन्म :** लगभग १३९८ (उ.प्र.)
**मृत्यु :** लगभग १५१८ (उ.प्र.)
**परिचय :** भक्तिकालीन निर्गुण काव्यधारा के संत कवि कबीर मानवता एवं समता के प्रबल समर्थक थे ।
**प्रमुख कृतियाँ :** 'साखी', 'सबद, 'रमैनी' इन तीनों का संग्रह 'बीजक' नामक ग्रंथ में किया गया है ।

**भक्त सूरदास**

**जन्म :** लगभग १४७८, आगरा (उ.प्र.)
**मृत्यु :** १५६३ से १५९१ के बीच
**परिचय :** सूरदास जी वात्सल्य रस के सम्राट माने जाते हैं । आपका नाम कृष्णभक्ति धारा को प्रवाहित करने वाले कवियों में सर्वोपरि है ।
**प्रमुख कृतियाँ :** 'सूरसागर', 'सूरसारावली', 'साहित्यलहरी', 'नल-दमयंती' आदि ।

## पद्य संबंधी

यहाँ संत कबीरदास ने अपने दोहों में मनुष्य को सद्गुणों को अपनाकर आगे बढ़ने को कहा है ।

भक्त सूरदास रचित यह पद 'सूरसागर' महाकाव्य से लिया गया हैं । इसमें श्रीकृष्ण की बालसुलभ लीलाओं का वर्णन किया है ।

## शब्द वाटिका

**कबहिं** = कब
**चोटी** = चुटिया, बेणी
**अजहूँ** = अब तक
**काँचौ** = कच्चा
**पचि-पचि** = बार-बार
**चिरजीवौ** = लंबी आयु
**दोउ** = दोनों
**हलधर** = बलराम

**✻ सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :-**

**(१) कृति पूर्ण करो :**

ऐसी वाणी बोलनी है जिससे
↓
[ ]
↓
[ ]

**(२) कविता में इस अर्थ में आए शब्द लिखो :**

१. ठंडा - ..............
२. कोई - ..............
३. बलराम - ..............
४. मक्खन - ..............

**(३) कृति पूर्ण करो :**

श्रीकृष्ण द्‌वारा चोटी के संदर्भ में की गई बातें
↓
[ ]
↓
[ ]

**(४) 'भोजन का प्रभाव'- टिप्पणी लिखो ।**

**कल्पना पल्लवन**

पानी, वाणी, दूध इन शब्दों का उपयोग करते हुए कोई कविता लिखो ।

**भाषा बिंदु**

पाठों में आए अलग-अलग काल के वाक्य ढूँढ़कर उनका अन्य कालों में परिवर्तन करो ।

**उपयोजित लेखन**

'आगे कुआँ पीछे खाई' कहावत का अर्थ लिखकर उससे संबंधित कोई प्रसंग लिखो ।

**मैंने समझा**

-----------------------------------------------
-----------------------------------------------
-----------------------------------------------



**स्वयं अध्ययन**

'हाफ मैराथन' में सफलता प्राप्त करने के लिए कौन-कौन-सी तैयारियाँ करोगे, लिखो ।

IYPPP3